Government Degree College, Khairatabad, Hyderabad

Re-Accredited by NAAC with B+ grade

ISO certified college: ISO 9001: 2015

Academic year 2022-2023

STUDENT SEMINAR REGISTER

Name of the Asso.Prof/Asst. Prof_____

Department of Hindi

Student Seminar

Name of the student **:R Bhanu Prasad**

Roll No **:_ 114022578006**

Class **:_B.Sc. Group:_MPCS_Year : I year**

Date **: _____ Period: _____ Time:_____**

Name of the topic **: सद्गति**

Methods/ Tools used for seminar: PPT

Main theme and Synopsis of the topic

सद्गति :

हिन्दी कहानी के इतिहास में 'सद्गति' अति चर्चित कहानी है। यह एक हृदयविदारक कहानी है। यह धार्मिक पाखंड, कर्मकांडी पुरोहितों की घिनौनी मानसिकता और दलित शोषण को दर्शाती है। इस कहानी के लेखक प्रेमचंद हैं, वे दलितों के शोषण का मूल कारण वर्ण व्यवस्था को मानते हैं। प्रेमचंद धर्म, जाति, पूंजी और राजनीति के सम्बन्धों को अच्छी तरह से जानते थे। उनके साहित्य में हमारे समाज की विद्रूपताओं, समस्याओं, अंधविश्वासों, दुर्बलताओं, विसंगतियों का प्रामाणिक चित्रण हुआ है। जहाँ तक सद्गति का सवाल है तो यह कहानी भी एक यथार्थ व समस्यापरक कहानी है। यह दलित की नाबालिग बेटी के विवाह (मुहूर्त) संस्कार से शुरू होकर दलित के अंतिम संस्कार के सवाल पर आकर ब्राह्मणवादी शोषकों की पोल खोलती है।

प्रेमचंद इस कहानी के माध्यम से जातिवाद, अस्पर्श्यता, रूढ़ियों, सामाजिक कर्मकांडों, लोक-व्यवहार के नियमों से बंधे दलितों और सदियों से चलते आ रहे धार्मिक पाखंड पर ज़ोरदार चोट करते हैं। यह शोषण पर लिखी गई संवेदनशील कहानी है। इसका कहानी में दुखी नाम के एक ग़रीब दलित, उसकी पत्नी झुरिया, पण्डित घासीराम, उसकी पत्नी और चिखुरी गोंड के इर्द-गिर्द घूमता है। यह कहानी, परिवेश, चरित्र और भाषा शोषक की निर्ममता को बड़ी सूक्ष्मता से सामने लाते हैं।

प्रेमचंद अपनी कहानियों के शीर्षक और पात्रों के नाम से भी एक प्रामाणिक कथाकार साबित होते हैं। उनके पात्र हमारे इर्द-गिर्द घटित होते चरित्र हैं। आलोच्य कहानी में दुखी, झुरिया, चिखुरी, घासीराम जैसे नाम उद्येश्य सिद्ध करते हैं, परिवेश को अधिक जीवंत व प्रामाणिक बनाते हैं। यह कहानी एक वर्ण के प्रति पूर्वग्रहों को भी दर्शाती है। प्रेमचंद की भाषा सरल, प्रभावी, प्रवाहपूर्ण व पात्रानुकूल है। दुखी और घासीराम के संवाद अपने-अपने वर्ग का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं। संवादों से चरित्र खुलते जाते हैं। प्रेमचंद कहीं भी कहानी के पात्रों और उनके संवादों में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करते। सच तो यह है कि कथ्य, परिवेश आदि तत्व स्वाभाविक रूप से विस्तार पाते हैं। यह कहानी केवल मात्र तत्कालीन समय का ही सत्य नहीं है बल्कि समकालीन परिदृश्य का भी यथार्थ है।

Feedback by the participated students: and Signature :

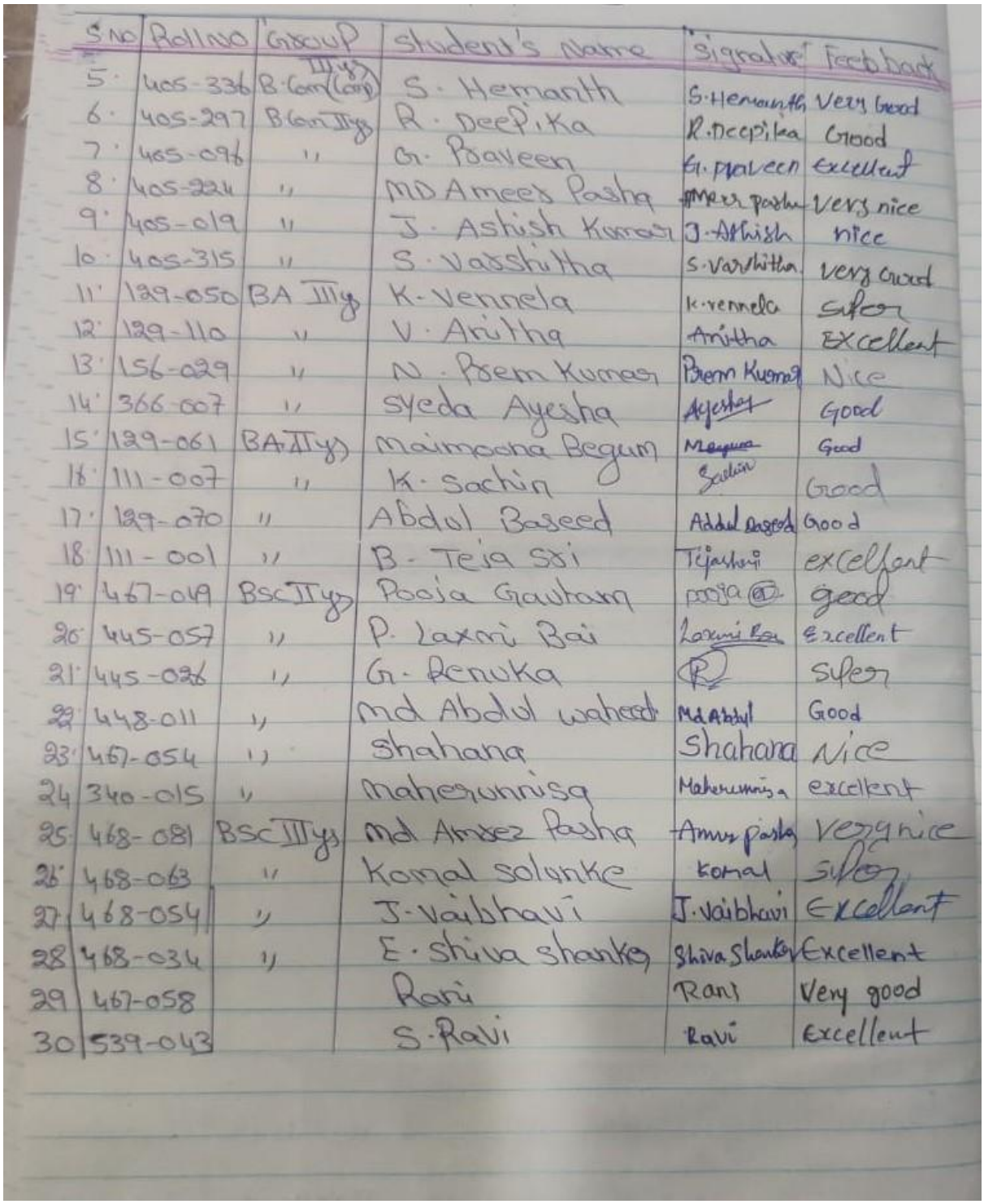

S.No	Roll No	Group	Student's Name	Signature	Feedback
5.	405-336	B.Com (Comp) III yrs	S. Hemanth	S.Hemanth	Very Good
6.	405-297	B.Com III yrs	R. Deepika	R.Deepika	Good
7.	405-096	"	G. Praveen	G.praveen	excellent
8.	405-224	"	MD Ameer Pasha	Ameer pasha	very nice
9.	405-019	"	J. Ashish Kumar	J.Ashish	nice
10.	405-315	"	S. Varshitha	S.Varshitha	very Good
11.	129-050	BA III yrs	K. Vennela	k.vennela	super
12.	129-110	"	V. Anitha	Anitha	Excellent
13.	156-029	"	N. Prem Kumar	Prem Kumar	Nice
14.	366-007	"	Syeda Ayesha	Ayesha	Good
15.	129-061	BA II yrs	Maimoona Begum	Maimoona	Good
16.	111-007	"	K. Sachin	Sachin	Good
17.	129-070	"	Abdul Baseed	Abdul Baseed	Good
18.	111-001	"	B. Teja Sri	Tejashri	excellent
19.	467-019	BSc II yrs	Pooja Gautam	pooja	good
20.	445-057	"	P. Laxmi Bai	Laxmi Bai	Excellent
21.	445-026	"	G. Renuka	R	super
22.	448-011	"	md Abdul waheed	Md Abdul	Good
23.	467-054	"	shahana	Shahana	Nice
24.	340-015	"	maherunnisa	Maherunnisa	excellent
25.	468-081	BSc III yrs	md Ameez Pasha	Ameez pasha	very nice
26.	468-063	"	Komal solanke	komal	super
27.	468-054	"	J. vaibhavi	J.vaibhavi	Excellent
28.	468-034	"	E. Shiva shankar	Shiva Shankar	Excellent
29.	467-058		Rani	Rani	Very good
30.	539-043		S. Ravi	Ravi	Excellent

Photo of the student:

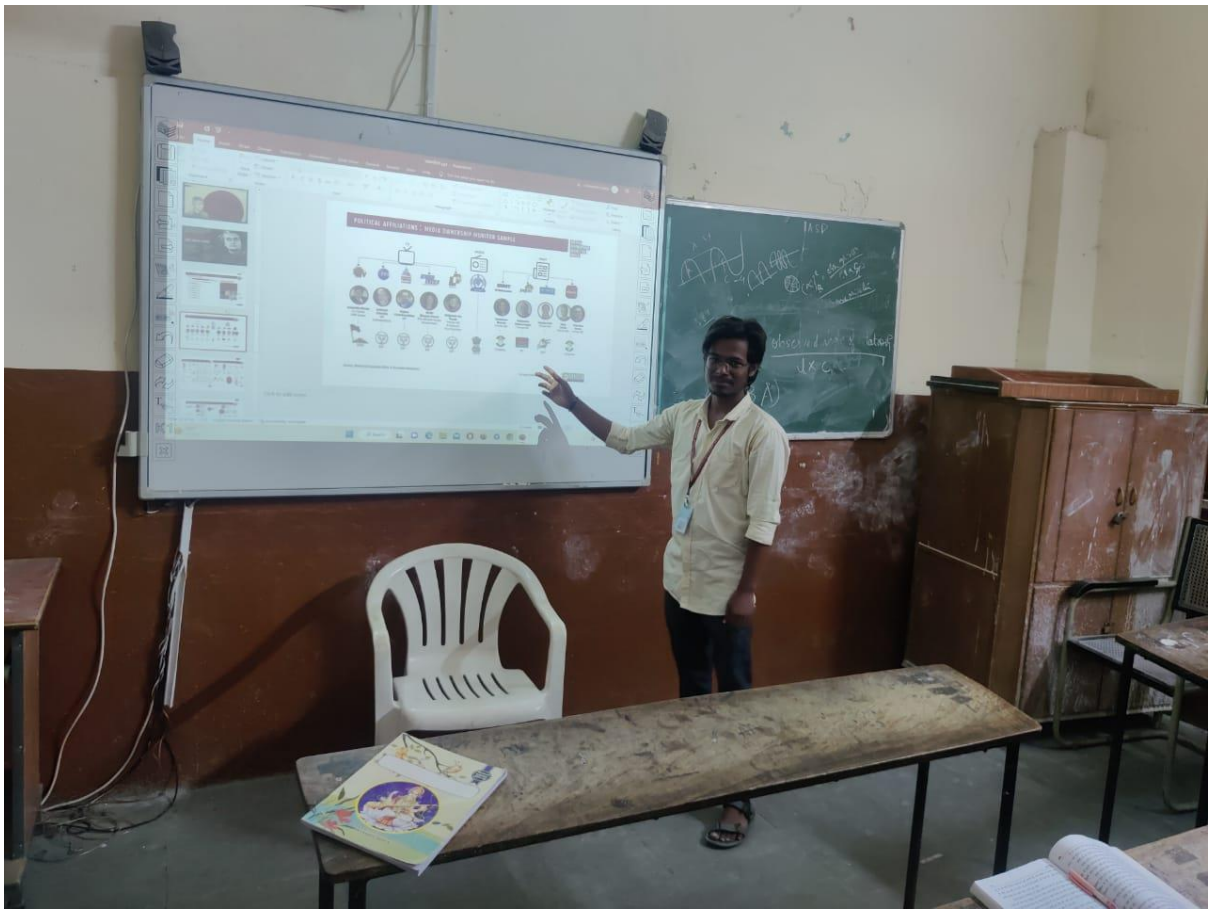

Signature of the presenter **Signature of the teacher**